DCW-19070401033300 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. III) (CBCS) Examination

August – 2022

Hindi : *Core-308*

(हिन्दी कविता)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

(२) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ 'सखि वे मुझसे कहकर जाते' काव्य में व्यक्त यशोधरा की वेदना पर प्रकाश डालिए । १४

२ गुप्तजी के जीवन–कवन की विस्तृत चर्चा कीजिए । १४

३ 'अकाल दर्शन' काव्य के केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए । १४

४ 'धूमिल' के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १४

५ 'गीतफरोश' काव्य का भावार्थ लिखिए । १४

६ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व–कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

७ 'गुलमहोर के लिये' गजल का केन्द्रवर्ती भाव स्पष्ट कीजिए । १४

८ एक सफल गीतकवि के रूप में भवानीप्रसाद मिश्र का मूल्यांकन कीजिए । १४

९ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) ''उस मुहावरे को समझ गया हूँ
जो आजादी और गाँधी के नाम पर चल रहा है
जिससे न भूख मिट रही है न मौसम
बदल रहा है । लोग बिलबिला रहे हैं,
पते और छाल खा रहे हैं ।''

(२) ''जी माल देखिए, दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं है, काम बताऊँगा
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने ।''

१० ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १४

(१) ''दुःख तो बहुत सहेज के रखना पड़ा हमें,
सुख तो किसी कपूर की टिकिया–सा उड़ गया ।''

(२) ''लोहे का स्वाद
लोहार से मत पूछो
उस घोड़े से पूछो
जिसके मुँह में लगाम है ।''